विश्व के सबसे गहरे और बड़े ताजे पानी के चश्मों एक है वकूला स्प्रिंग्स। फ्लोरिडा के क्रॉफर्डविल में कुल 33 चश्मे हैं जिनमें वकूला सबसे बड़ा है। प्रागैतिहासिक काल से लेकर आज तक यह क्षेत्र इंसान व जानवरों के आकर्षण का केन्द्र रहा है। ऐसे प्रमाण हैं, जो बताते हैं कि 12,000 साल पहले भी यहां इंसान मौज मस्ती के लिए एकत्रित होते थे और लम्बे अर्से पूर्व लुप्त हो चुके, मैस्टडॉन्स (हाथी जैसे प्राचीन जीव) जैसे जानवर भी यहां आते थे। पुरातत्वविदों को सन् 1850 के बाद से ही यहां पर मैस्टडॉन्स, जाएंट ग्राउण्ड स्लॉथ, सेबर-टूथ्ड टाइगर्स आदि (सभी लुप्त हो चुके हैं) के जीवाश्म मिलते रहे हैं। विश्व का सबसे गहरा चश्मा, वकूला स्प्रिंग्स 185 फीट गहरा है। उत्तरी फ्लोरिडा की गर्मी से निजात पाने के लिए लोग यहां आते हैं। प्रकृति प्रेमी और वन्यजीव फोटोग्राफर्स को भी यह जगह बहुत पसंद है। एलिगेटर्स, सुवानी कूटर टर्टल, डियर और मैनटी (सर्दी में) यहां अक्सर नजर आते हैं। इसके अलावा अनहिंगा स्नेक बर्ड, ऑस्प्री, गैलीन्यूल्स, वुड डक्स, ग्रेट ईग्रेट, ब्लू हैरॉन्स, कॉरमोरैन्ट्स और पाइड बिल्ड ग्रीब जैसे पक्षी यहां बड़ी तादाद में रहते हैं। सन् 1986 में यहाँ एडवर्ड बॉल वकूला स्प्रिंग्स स्टेट पार्क बनाया गया था। वकूला स्प्रिंग्स कई फिल्मों में भी नजर आ चुका है, जिनमें टार्जन शृंखला की पुरानी फिल्में प्रमुख हैं।

राहुल गांधी का पप्पू नाम रखने वाले कुमार विश्वास, कम्युनिस्ट से कांग्रेसी बने कन्हैया और प्रियंका को बनाओ राज्यसभा उम्मीदवार

मुख्यमंत्री के सलाहकार निर्दलीय विधायक संयम लोढ़ा ने आलाकमान को सलाह दी

जयपुर, 25 मई (का.प्र.)। राजस्थान में चार सीटों पर होने वाले राज्यसभा चुनावों के लिए दावेदार दिल्ली से लेकर जयपुर तक अपने प्रयासों में जुटे हुए हैं। एक कयास यह भी है कि राज्यसभा की 3 में से 2 सीटों पर आलाकमा की मर्जी के उम्मीदवार तय होंगे। वही एक सीट मुख्यमंत्री की मर्जी से तय होगी। इस बीच अब मुख्यमंत्री के सलाहकारों से लेकर अन्य विधायकों ने भी अपनी पसंद बताना शुरू कर दिया है कि आलाकमान को राज्यसभा के लिए कैसे उम्मीदवार लाने चाहिए। वहीं बसपा से कांग्रेस में आए और देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ने गुर्जर उम्मीदवार की मांग उठाई है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 11 निर्दलीय विधायकों से राज्यसभा चुनावों को

■ एक अन्य विधायक अवाना बोले- गुर्जर समाज के व्यक्ति को भेजा जाना चाहिए राज्यसभा में।

लेकर दो दिन चर्चा की थी। इस चर्चा के बाद एक फोटो भी जारी की गई थी कि तीन निर्दलीय विधायकों का समर्थन कांग्रेस उम्मीदवार के साथ रहेगा। उस मुलाकात में शामिल मुख्यमंत्री के सलाहकार एवं सिरोही के निर्दलीय विधायक संयम लोढ़ा ने बुधवार को एक ट्वीट कर आलाकमान को तीन नाम सुझाए हैं, जिसमें प्रियंका गांधी भी शामिल हैं। लोढ़ा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम सबसे पहले पप्पू लिखने वाले कवि विश्वास कुमार और कम्युनिस्ट पार्टी से कांग्रेस में आने वाले कन्हैया कुमार का नाम सुझा। लोढ़ा ने अपने ट्वीट में लिखा कि शासकीय नीतियों को जन अपेक्षाओं के अनुरूप बनाने और केंद्र की सत्ता को बाध्य करने के लिए राज्यसभा के आगामी चुनावों में कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी, प्रसिद्ध कवि डॉ. कुमार विश्वास और कांग्रेस के नेता कन्हैया कुमार को राजस्थान से राज्यसभा में अवसर दिए जाने पर विचार किया जाना चाहिए।

दूसरी ओर राजस्थान में बसपा से कांग्रेस में शामिल हुए विधायक जोगिंदर सिंह अवाना ने कांग्रेस हाईकमान से गुर्जर समाज के व्यक्ति को राज्यसभा में भेजने की मांग की है। देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष अवाना ने कहा कि 70 से 75 विधानसभा क्षेत्रों में गुर्जर समाज के लोग बड़ी संख्या में रहते हैं। देश की आजादी के बाद से अब तक राज्यसभा में गुर्जर समाज का कोई भी व्यक्ति नहीं गया है। राज्यसभा में गुर्जर समाज का व्यक्ति जरूर जाना चाहिए। अवाना ने बताया कि पूरे राजस्थान में करीब 10 से 15 लोकसभा की सीटें हैं, जिनमें गुर्जर समाज की अच्छी संख्या है।

रोहित जोशी को दिल्ली हाईकोर्ट से नहीं मिली राहत

जयपुर, 25 मई। जलदाय मंत्री महेश जोशी के बेटे रोहित जोशी से जुड़े मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने रोहित जोशी की याचिका पर दो माह बाद, 26 जुलाई, को सुनवाई तय की है। याचिका में किसी भी तरह का अंतरिम आदेश पारित नहीं होने के चलते रोहित जोशी को कोई भी राहत नहीं मिली है। हालाकि उसके पास अग्रिम जमानत याचिका पेश करने का विकल्प मौजूद है। रोहित जोशी की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कहा गया है कि युवती के साथ उसकी सहमति से संबंध बनते थे। लेकिन रोहित के पिता महेश जोशी उनके विवाहेत्तर संबंध के खिलाफ थे। जब रोहित जोशी ने युवती को बताया कि वह अपने पिता के खिलाफ जाकर दूसरी शादी नहीं कर सकता, और न ही अपनी वर्तमान पत्नी को तलाक दे सकता है। तब इस पर युवती ने उस पर दुष्कर्म का आरोप लगाया।

याचिका में युवती पर हनीट्रेप का आरोप लगाते हुए कहा गया है कि मामले में याचिका कर्ता के खिलाफ दर्ज एफआईआर निरस्त की जाए। इसके अलावा रोहित जोशी की ओर से मामले में गिरफ्तार न करने की गुहार की गई है।

गौरतलब है कि रोहित की गिरफ्तारी पर किसी तरह की रोक नहीं है। दिल्ली पुलिस को अब 2 महीने का समय और मिल गया है। माना जा रहा है कि दिल्ली पुलिस आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए एक साथ कई ठिकानों पर दबिश देकर छापेमारी की कार्रवाई कर सकती है। रोहित के विदेश भागने की आशंका के चलते दिल्ली पुलिस ने उसके खिलाफ लुक आउट नोटिस भी जारी कर दिया है। इसके साथ ही रोहित के फोटो देश के सभी एयरपोर्ट पर भेजे गए हैं। पुलिस ने एयरपोर्ट पर निगरानी रखने के निर्देश जारी कर रखें हैं। लुक आउट नोटिस जारी करने के साथ उनकी धरपकड़ के लिए कई टीमें गठित की जा सकती हैं। दिल्ली पुलिस मामले में जल्द इंट्रोगेशन पूरा कर चालान पेश करना चाहती है।

■ हाईकोर्ट ने रोहित जोशी की याचिका पर दो माह बाद 26 जुलाई को सुनवाई तय की है। हालांकि, कोर्ट ने किसी भी तरह का अंतरिम आदेश पारित नहीं किया है।

पानी के लिए पैदल यात्रा

पाली, 25 मई (नि.सं.)। पाली नगर परिषद की सभापति रेखा व उनके पति राकेश भाटी शहर के पेयजल संकट को लेकर आज पाली से जयपुर पैदल रवाना हुये। दम्पति ने सुबह उठकर एक बैग गले में लटकाया और भैरुघाट भैरुजी मन्दिर, लाखोटिया महादेव, सोमनाथ महादेव के दर्शन कर जयपुर रवाना हो गये। पाली नगर परिषद् में भाजपा का बोर्ड है।

इस नौतपा की भीष्ण गर्मी में पैदल निकलना, 300 किलोमीटर की दूरी के लिये बहुत कठिन व साहसिक कार्य है। यह निर्णय हर कोई नही ले सकता। इस दम्पति के दिलों दिमाग में पाली शहर की जनता के प्रति दर्द है। यह दम्पति पिछले कई वर्षों से सुबह सुबह अपने घर के नजदीक बहुत सारे मन्दिरों के दर्शन हर रोज करते है। भगवान से पाली

■ नगर परिषद सभापति रेखा और उनके पति राकेश भाटी पाली के भारी पेयजल संकट पर विरोध जताने के लिए भीषण गर्मी में जयपुर के लिए पैदल निकल पड़े हैं।

शहर की जनता की खुशहाली के लिये दुआ हर रोज करते है मगर पानी की भयंकर किल्लत को देखते हुये इन्हें महसूस हुआ और लगा की ऐसी स्थिति में राज यानि सरकार को जगाया जाए और पैदल ही जयपुर कूच किया जाए। ये चाहते तो अपने अधीनस्थ ठेकेदारों व अन्य संस्थाओं के माध्यम से टैंकरो से पानी पहुंचा सकते थे, मगर इन्हें एहसास हुआ की इस व्यवस्था से आमजन की समस्याएं दूर नही होगी। इसका स्थायी समाधान होना चाहिये और यह दोनों निकल पड़े सरकार को जगाने के लिए।

दम्पति की आवाज़ को सुनना ही पड़ेगा। यह आवाज रेखा राकेश भाटी की नही सम्पूर्ण पाली की आवाज़ है कि सरकार पाली की जनता के लिये पानी की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए।

यासीन मलिक को उम्रकैद की सजा सुनाई एन.आई.ए.कोर्ट ने

देश में बड़ी हिंसक वारदात होने की आशंका के बीच सुरक्षा एजेंसियों ने राहत की सांस ली

नयी दिल्ली, 25 मई (वार्ता)। नब्बे के दशक में जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद का पर्याय रहे जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट के सरगना यासीन मलिक को उसके जघन्य अपराधों के लिए 32 साल बाद बुधवार को दिल्ली की एक विशेष अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

मलिक को आतंकवाद, राजद्रोह और आपराधिक साजिश आदि विभिन्न धाराओं के तहत विभिन्न अवधि की कारावास की सजा और कई रकम के जुर्माने किये गये हैं जिनमें 10 लाख रुपये का जुर्माना भी शामिल है। अदालत ने कहा है कि मलिक के कैद की विभिन्न सजायें एक साथ चलेंगी।

मलिक के खिलाफ राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के मामलों की

■ जैसा कि विदित है कि, जब कोर्ट में सजा सुनाई जाती है तो अपराधी का कोर्ट में मौजूद होना आवश्यक होता है।

सुनवाई करने वाली पटियाला हाउस कोर्ट की विशेष अदालत के न्यायाधीश प्रवीण सिंह के फैसले से पहले जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर में तनाव का माहौल था। श्रीनगर के लाल चौक पर दुकानें बंद थीं, पर यातायात चालू था।

आतंकवादी सरगना मलिक जनवरी 1990 में कश्मीर में स्क्वाड्रन लीडर रवि खन्ना सहित भारतीय वायुसेना के चार अधिकारियों और जवानों की हत्या के मामले चर्चित हुआ था। उसके खिलाफ 2017 में आतंकवाद और विघटनकारी करतूतों में शामिल होने के आरोपों में मामला दायर किया गया था। इसी वर्ष मार्च में अदालत ने मलिक और अन्य के विरुद्ध गैर कानूनी गतिविधियां निवारक (यूएपीए) अधिनियम की धाराओं के तहत मुकदमा चलाये जाने का आदेश दिया था।

मलिक के वकील उमेश शर्मा ने कहा कि, उसके मुवक्किल को आजीवन कारावास की दो सजाओं के अलावा 10 अभियोगों में 10 साल की बामशक्कत कैद की सजायें सुनायी गयी हैं और उन पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। उन्होंने कहा कि सभी सजायें एक साथ चलेंगी।

मलिक के विरुद्ध 10 वर्ष के कारावास और 10 हजार रुपये का जुर्माना एक जुर्माना भारतीय दंडिता संहिता के तहत सुनाई गयी है। इसी तरह सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ना, युद्ध छेड़ने का प्रयास करना या युद्ध छेड़ने को बढ़ावा देने के जुर्म में धारा 121 के तहत उम्र कैद तथा युद्ध छेड़ने की साजिश के आरोप में धारा 121 ए के तहत 10 साल की सजा तथा 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया।

उसे आतंकवाद के लिए धन जुटाने के आरोप में यूएपीए की धारा 17 के तहत उम्र कैद और 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इसी तरह धारा 20 (आतंकवादी गिरोह या संगठन से नाता रखने) के आरोप में 10 साल की सजा और 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

श्रीलंका ने भारत से मांगा कर्ज

कोलंबो, 25 मई (वार्ता)। जबरदस्त आर्थिक संकट का सामना कर रहे श्रीलंका ने भारतीय एक्जिम बैंक से 50 करोड़ डॉलर का अतिरिक्त कर्ज मांगा है ताकि इस रकम से ईंधन का आयात किया जा सके। द डेली एफटी समाचार पत्र ने बुधवार को अपनी रिपोर्ट में बताया कि सोमवार को आयोजित एक बैठक में श्रीलंका की सरकार ने भारत से संपर्क करने का फैसला लिया। श्रीलंका

■ श्रीलंका ने भारतीय एक्ज़िम बैंक से 50 करोड़ डॉलर का अतिरिक्त कर्ज मांगा है, ताकि वह ईंधन का आयात कर सके।

के ऊर्जा मंत्री कंचना विजेसेकेरा ने कहा, सोमवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में भारतीय एक्जिम बैंक से 50 करोड़ डॉलर अतिरिक्त ऋण लेने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इस रकम का इस्तेमाल ईंधन की किल्लत को कम करने के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि श्रीलंका ने इस रकम को चुकाने के लिए अतिरिक्त एक साल के साथ सात साल का समय मांगा है।

ज्ञानवापी जैसा एक मामला कर्नाटक में भी सामने आया

मंगलुरु के मलाली क्षेत्र में जुमा मस्जिद के पुर्ननिर्माण के दौरान हिन्दू मंदिर के प्रतीक चिन्ह मिलने का दावा किया गया

मंगलुरु, 25 मई (वार्ता)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में ज्ञानवापी परिसर का विवाद अभी सुलझा भी नहीं कि कर्नाटक से एक और ऐसा मामला सामने आया है। जिसके बाद यहां मंगलुरु के मलाली में जुमा मस्जिद से 500 मीटर के दायरे तक बुधवार सुबह आठ बजे से धारा 144 लागू कर दी गई है।

इस दिन सुबह करीब साढ़े आठ बजे थेनकुलीपडी के रामंजनेय भजन मंदिर में तंबुला प्रश्न नामक धार्मिक आयोजन किए जाने के बाद सीआरपीसी की धारा 144 लगाई गई है।

चूंकि हिंदू सामाजिक संगठनों का

■ गौरतलब है कि, मंगलुरु प्रशासन यहां की जुमा मस्जिद का पुर्ननिर्माण करवा रहा था इस दौरान वहां हुई तोड़-फोड़ और खुदाई में हिन्दू मंदिर के प्रतीक चिन्ह आदि मिलने की बात सामने आई।

मानना है कि, जुमा मस्जिद का निर्माण मंदिर के स्थान पर किया गया है इसलिए तंबुला प्रश्न अनुष्ठान के बाद अष्टमंगला प्रणाम की तैयारियां शुरू हो गईं।

उल्लेखनीय है कि 22 अप्रैल को मैंगलुरु शहर के बाहरी इलाके में स्थित जुमा मस्जिद में मस्जिद अधिकारियों द्वारा कराए जा रहे नवीनीकरण कार्य के दौरान मस्जिद के नीचे एक हिंदू मंदिर के जैसा वास्तुशिल्प डिजाइन मिलने की बात कही गई थी।

इसके बाद इलाके के हिंदू संगठनों ने दावा किया कि मस्जिद स्थल पर मंदिर के होने की पूरी संभावना है। इस बीच, विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने जिला प्रशासन से दस्तावेजों के सत्यापन तक मस्जिद में काम स्थगित करने की अपील की।

एक अनार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तीसरी जाति, जो अपने आपको दरकिनार मान रही है, राजपूत है क्योंकि शासन ने इस तर्क के आधार पर उनसे जानबूझ कर दूरी बना रखी है कि वे भाजपा समर्थक हैं। पार्टी नेताओं का कहना है कि वे भी अपना हिस्सा चाहते हैं। कांग्रेस में उठाया जा रहा दूसरा बिन्दु यह है कि चूँकि चुनाव बहुत नजदीक हैं, इसलिये राज्यसभा की कम से कम दो सीट स्थानीय नेताओं को दी जानी चाहिये। पहले राजस्थान से डॉ. मनमोहन सिंह तथा वेणुगोपाल राज्यसभा में भेजे गये थे। सूत्रों का कहना है कि रणदीप सिंह सुरजेवाला राजस्थान से राज्यसभा में पहुँचने के लिये अशोक गहलोत के प्रति जबरदस्त स्नेह जताने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि राजस्थान से उन्हें टिकट मिलने की कोई गुंजाइश दिखाई दे रही है क्योंकि हुडा उन्हें बाहर रखने के लिये कुछ भी कर गुजरेंगे। चूँकि राजस्थान से राज्यसभा की उम्मीदवारी के लिये गुलाम नबी आज़ाद के नाम पर गंभीरता से विचार चल रहा है तथा इसलिये स्थानीय नेताओं के समायोजन के लिये गहलोत के पास दो ही सीट बचती हैं।

प्राइमरी स्कूल में गोलीबारी में 18 बच्चों समेत 21 की मौत

टैक्सस के स्कूल में 18 वर्षीय युवक ने हैंडगन और राइफल से बच्चों और शिक्षकों पर अंधाधुंध गोलियां बरसाईं

टैक्सस, 25 मई। अमेरिका के टैक्सस शहर में एक स्कूल में हुई गोलीबारी में 18 बच्चों समेत 21 लोगों की मौत हो गई जबकि कई लोग घायल हो गए। स्कूल में फायरिंग करने वाले 18 साल के शख्स को पुलिसकर्मियों ने मार गिराया। फायरिंग करने वाले शख्स का नाम सल्वाडोर रामोस बताया जा रहा है।

बंदूकधारी शख्स हैंडगन और राइफल के साथ रॉब एलीमेंट्री स्कूल में दाखिल हुआ और उसने बच्चों पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसानी शुरू कर दी। बताया जाता है कि फायरिंग में जिन बच्चों की मौत हुई है उनकी उम्र 7 से

■ इस घटना के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने गुस्सा और निराशा व्यक्त करते हुये अमेरिका की आर्म्स पॉलिसी की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि, ऐसा लगता है कि, हम इसमें फंस गए हैं और कभी बाहर नहीं निकल पाएंगे।''

10 साल के बीच थी। सभी दूसरी, तीसरी और चौथी क्लास के छात्र थे।

राष्ट्रपति ने कहा, ''भगवान के नाम पर हम बंदूक की लॉबी के लिए खड़े होने जा रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''यह समय है कि हम इस दर्द को कार्रवाई में बदल दें, एक बच्चे को खोने पर आत्मा को कष्ट पहुंचा है। सीने में एक खोखलापन है। ऐसा लगता है कि इसमें फंस गए हैं और कभी बाहर नहीं निकल पाएंगे।''

उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा,अब बहुत हो गया है। एक राष्ट्र के रूप में, हमें कार्रवाई करने और ऐसा दोबारा होने से रोकने का साहस होना चाहिए।

सिब्बल का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कपिल सिब्बल ने समावादी पार्टी नेता आज़म खान का केस लड़ा था, जिन्हें दो वर्ष तक जेल में रहने के बार जमानत मिल गई थी। सूत्र कहते हैं कि कपिल सिब्बल समाजवादी पार्टी के अधिकांश केस लड़ेंगे।

सिब्बल के पास कई राजनीतिक पार्टियों से राज्यसभा सदस्य बनने का विकल्प था, लेकिन उन्होंने समाजवादी पार्टी को ही सिर्फ इसलिए चुना क्योंकि वह गांधी परिवार को एक कड़ा संकेत देना चाहते थे।

सिब्बल ने कांग्रेस के चिन्तन शिविर के समापन के बाद 16 मई को कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था।

सिब्बल ने पार्टी की कार्यशैली और क्रियाकलापों को लेकर कुछ प्रासंगिक मुद्दे उठाए हैं और राहुल गांधी ने उन्हें वर्ष 2019 से स्वयं से मिलने का समय नहीं दिया है।

सिब्बल कांग्रेस के असंतुष्ट नेताओं के समूह जी-23 की मूलत: प्राण वायु थे। इन नेताओं ने सोनिया गांधी को पत्र लिखकर पार्टी में सुधार किए जाने की मांग की थी।

पिछले 5 माह से भी कम समय में वे कांग्रेस के पांचवें ऐसे सीनियर नेता हैं, जिन्होंने पार्टी छोड़ी है। कांग्रेस के लिए किसी भी तरह से यह बहुत बड़ी क्षति है।

कपिल सिब्बल का छोड़कर जाना...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बीच संवाद-सेतु का काम भी कर सकते हैं।

कुल मिलाकर, सिब्बल ने कांग्रेस छोड़ तो दी है लेकिन किसी नाराजगी के कारण नहीं तथा पार्टी से अपने रिश्ते नहीं तोड़े हैं। यह बात कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल के शब्दों से उस साफ झलक रही थी, जब उन्होंने कहा कि सिब्बल का त्याग-पत्र बहुत ही ऊँचे दर्जे का है।

इससे पूर्व सिब्बल ने कहा कि उन्होंने ''16 मई को कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था।'' उन्होंने कहा, ''कांग्रेस के साथ मेरे बहुत गहरे रिश्ते हैं। ये रिश्ते 30-31 साल पुराने हैं। यह कोई छोटी चीज नहीं है। मैं कांग्रेस में राजीव जी (पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी) के कारण शामिल हुआ था। आप सोच रहे होंगे कि कोई व्यक्ति 31 साल बाद कांग्रेस को कैसे छोड़ सकता है। मेरा हृदय भी कुछ न कुछ जरूर महसूस कर रहा होगा। कभी-कभी ऐसे निर्णय लेना जरूरी हो जाता है। लेकिन मेरी विचारधारा कांग्रेसी विचारधारा ही है। मैं कांग्रेस तथा उसकी विचारधारा से दूर नहीं गया हूँ। मैं पार्टी की भावनाओं के साथ ही हूँ।''

उन्होंने आगे कहा, ''हम सभी इस तथ्य से बँधे हुये एवं नियंत्रित हैं कि हम विभिन्न पार्टियों के सदस्य हैं तथा हमें पार्टी के अनुशासन का पालन करना ही होता है, लेकिन स्वतंत्र स्वर रखना भी महत्वपूर्ण तो है ही। जब किसी एक स्वतंत्र व्यक्ति की आवाज उठेगी तो लोग यह महसूस करेंगे कि वह किसी अन्य पार्टी से संबंध नहीं है।

सिब्बल ने कहा कि वह राज्यसभा टिकट के लिए उनका समर्थन कर रही समाजवादी पार्टी में शामिल नहीं हुए है क्योंकि वह एक निर्दलीय सदस्य बनकर भाजपा के खिलाफ विपक्ष को एकजुट करना चाहते हैं।

सपा के साथ उनका संबंध नया नहीं है। सपा ने वर्ष 2016 में भी राज्यसभा में उनकी उम्मीदवारी का समर्थन किया था। वर्ष 2017 में जब अखिलेश और मुलायम के बीच पार्टी सिम्बल को लेकर टकराव हो गया था, जब उन्होंने चुनाव आयोग में अखिलेश का प्रतिनिधित्व किया था। चारा घोटाले में भी सिब्बल लालू के वकील थे।

कभी कांग्रेस के सीनियर मोस्ट नेताओं में से एक माने जाने वाले सिब्बल पार्टी के 23 असंतुष्ट नेताओ के समूह जी-23 के पीछे मुख्य भूमिका में थे। इन नेताओं ने पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को दो वर्ष पहले एक पत्र लिखकर मांग की थी कि पार्टी नेतृत्व तथा संगठन में पूर्ण तब्दीली की जाए।

वह गांधी परिवार, खासतौर पर राहुल गांधी नेतृत्व की आलोचना काफी मुखर एवं कटु रहते आए हैं। उन्होंने यह सार्वजनिक मांग भी की थी कि किसी गैर गांधी को पार्टी प्रमुख बनाया जाए।

403 सदस्यीय उत्तर प्रदेश विधानसभा में समाजवादी पार्टी के 111 विधायक हैं और वह अपने तीन सदस्यों को राज्यसभा में भेज सकती है, जबकि भाजपा विधायकों की संख्या 255 है और वह अपने आठ सदस्य राज्यसभा में भेज सकती है। सिब्बल ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की उपस्थिति में अपना नामांकन पत्र भरा। सिब्बल का समर्थन करने के समाजवादी पार्टी के कदम को एहसान का बदला चुकाने के रूप में देखा जा रहा है क्योंकि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में आज़म खान की पैरवी की थी। दो वर्ष तक जेल में रहने के बाद आज़म खान को सुप्रीम कोर्ट द्वारा अंतरिम जमानत पर रिहा किया गया था।

एक-एक करके...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राज्य में पार्टी के पुराने नेतृत्व (ओल्ड गार्ड) ने उन्हें लाइम लाइट से दूर कर दिया है। गुजरात में कांग्रेस के कद्दावर नेता हार्दिक पटेल का भी पार्टी नेतृत्व से मोह भंग हो गया और उन्होंने पार्टी छोड़ दी। कई अन्य नेता भी कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जाने की प्रतीक्षा में है। इसी के साथ, हालांकि राजनैतिक विकल्प के रुप में कांग्रेस की प्रासंगिकता से किसी को भी इनकार नहीं है पर यह तभी हो सकता है जब पार्टी नेतृत्व अपनी कार्यशैली और सोच में आमूलचूल बदलाव कर ले। लगता है पार्टी को नेहरु -गांधी परिवार से मुक्ति पाने का एक अंतिम प्रयास करने की जरुरत है। इस संभावना का एक सकारात्मक संकेत है। जब नरसिम्हाराव कांग्रेस गठबंधन सरकार में प्रधानमंत्री बने थे तब उन्होंने यह सुनिश्चित किया था कि गांधी परिवार का कोई भी व्यक्ति पार्टी या सरकार के नेतृत्व व पदों के आसपास भी ना आ पाए। ऐसा ही फिर से करने की जरुरत है। वर्ना पार्टी इतिहास बनकर रह जाएगी।

'सपा से मिले ''प्रसाद'' का स्वाद कैसा लगा'

नई दिल्ली/लखनऊ, 25 मई (वार्ता)। पूर्व केन्द्रीय मंत्री कपिल सिब्बल के कांग्रेस छोड़ कर समाजवादी पार्टी (सपा) से हाथ मिला कर राज्यसभा सीट हासिल करने पर साल भर पहले कांग्रेस छोड़ कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए उत्तर प्रदेश के मंत्री जितिन प्रसाद ने तीखा कटाक्ष करते हुए पूछा कि उन्हें सपा से मिले 'प्रसाद' का स्वाद कैसा लगा।

दरअसल जितिन प्रसाद दस जून 2021 को कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में शामिल हुए थे और उस समय सिब्बल ने ट्वीट करके कटाक्ष किया था - जितिन प्रसाद भाजपा में शामिल हुए। सवाल यह है कि क्या उन्हें भाजपा से प्रसाद मिलेगा या उन्हें केवल उत्तर प्रदेश चुनाव के लिए फंसाया गया है। ऐसे सौदों में यदि विचारधारा की चिंता नहीं हो तो बदलाव आसान होता है।

■ मौका आया तो सिब्बल पर यह कटाक्ष करके जितिन प्रसाद ने अपना साल भर पुराना बदला चुका लिया।

सिब्बल के इस ट्वीट से प्रसाद को संभवत: भावनात्मक आघात लगा था। आज जब सिब्बल के सपा के समर्थन से राज्यसभा के चुनाव में पर्चा भरने की खबर आयी तो योगी सरकार में लोक निर्माण मंत्री प्रसाद खुद को रोक नहीं पाये और उन्होंने एक साल पुराने सिब्बल के उसी ट्वीट के जवाब में लिखा-प्रसाद कैसा लगा मिस्टर सिब्बल देखते ही देखते यह ट्वीट ट्रेंड करने लगा और डेढ़ घंटे के भीतर इसे 14 हजार से अधिक लोगों ने लाइक कर दिया।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908